तीमुथियुस क दूसरी पत्र

1 पौलुस कइँती स जउन परमेस्सर क इच्छा स ईसू
मसीह क प्रेरित अहइ। अउर जेका मसीह ईसू मँ
जीवन पावइ क प्रतिज्ञा क प्रचार करइ के बरे भेजा गवा
बा।

[2]पियारा बेटवा तीमुथियुस क नाउँ: परमपिता अउर
हमरे पर्भू मसीह ईसू कइँती स तोहे अनुग्रह दया अउर
सान्ति मिलइ।

धन्यबाद अउर उत्साह

[3]रात दिन आपन पराथनन मँ हमेसा तोहर याद
करत भवा, मइँ ओह परमेस्सर क धन्यबाद करत हउँ,
अउर ओकर सेवा अपने पूर्वजन क रीति क अनुसार
सुद्ध मने स करत हउँ। [4]मोरे बरे तू जउन आँसू बहाए
अहा, ओकर याद कइके मइँ तोहसे मिलइ क आतुर
हउँ, ताकि आनन्द स भर उठउँ! [5]मोका तोहार उ सच्चा
बिसवास भी याद बा जउन पहिले तोहार नानी लोइस
अउर तोहर महतारी यूनीके मँ रहा। मोका भरोसा बा
कि उहइ बिसवास तोहरे भी मँ बा। [6]इही बरे मइँ तोहे
याद देवावत हउँ कि परमेस्सर क भेट क ओह जुवाला
क जलाइ राखा जउन तोहे सब क मिली रही जब तोह प
मइँ आपन हाथ रखे रहेउँ। [7]काहेकि परमेस्सर तउ
हमका जउन आतिमा दिहे बाटइ, उ हमका कायर नाहीं
बनवत बल्कि हमका सक्ती, पिरेम, अउर आतमसंयम
स भरि देत ह।

[8]इही बरे तू हमरे पर्भू या मोर, जउन ओनके बरे
बन्दी बना भवा बा, साच्छी देइ स लजा जिन। बल्कि
तोहका परमेस्सर जउन सक्ती दिहे बाटइ, ओसे परमेस्सर
क सक्ती दुआरा जातना झेलइ मँ मोर साथ द्या। [9]उहइ
हमका रच्छा किहेस अउर पवित्तर जीवन क बरे हमका
बोलाए अहइ–हमार आपन ओह कीन्ह कर्मन क आधार
प नाहीं, बल्कि ओकरे आपन ओह प्रयोजन अउर अनुग्रह
क अनुसार जउन परमेस्सर द्वारा मसीह ईसू मँ हमका
पहिले ही अनादिकाल स सऊँप दीन्ह गवा बा। [10]परन्तु
अब हमार बचावइवाले ईसू मसीह क परगट होइ क
साथे–साथे हमरे बरे प्रकासित कीन्ह गवा बा। उ मउत
क अन्त कइ दिहेस अउर जीवन अउर अमरता क
सुसमाचार क द्वारा प्रकासित किहे बाटइ। [11]इही
सुसमाचार क फइलावइ क बरे मोका एक प्रचारक,
प्रेरित अउर सिच्छक क रूप मँ नियुक्त कीन्ह गवा बा।

[12]अउर इहइ कारण अहइ जेहसे मइँ एन बातन क
दुख उठावत अहउँ। अउर फिन भी लज्जित नाहीं हउँ
काहेकि जेह प मइँ बिसवास किहे हउँ, मइँ ओका जानत
हउँ अउर मइँ इ मानत हउँ कि उ मोका जउन सँऊपे
अहइ, उ ओकर रच्छा करइ मँ समर्थ बाटइ जब तलक
उ दिन* आवइ, [13]ओह अच्छी सिच्छा क जेका तू मोसे
सुने अहा, ओका बिसवास अउर पिरेम मँ, जो मसीह ईसू
मँ अहइ ओकर आपन आदर्स सिच्छा बनाए रहा।

[14]हमरे भीतर निवास करइवाली पवित्तर आतिमा
क द्वारा तू उस सत्य की रच्छा करा, जउन तोहका
सँउपा गवा बा।

[15]जइसेन कि तू जानत ह कि उ सभन जउन एसिया
मँ रहत हीं, मोका छोड़ ग रहेन। फुगिलुस अउर हिरमुगिनेस
ओनहीं मँ स अहइँ। [16]उनेसिफुरुस क परिवारे प पर्भू
दया करइ। काहेकि उ कइयउ अवसरन प मोका सुख
पहुँचाए रहा। अउर उ मोरे जेल मँ रहइ स सरमान नाहीं।
[17]बल्कि उ तउ जब रोम आवा रहा, जब तलक मोसे
मिल नाहीं लिहेस, जतन स मोका निरन्तर ढूँढ़त रहा।
[18]पर्भू करइ ओका, ओह दिन पर्भू कइँती स दया मिलइ,
ओ इफिसुस मँ मोरी तरह-तरह स जउन सेवा किहेस ह
कउनो तरह स उ सेवा किहेस ओका तू अच्छी तरह स
जानत अहा।

मसीह ईसू क सच्चा सिपाही

2 जहाँ तक तोहर बात बा, मोर बेटवा! मसीह ईसू मँ
मिलइ वाली अनुग्रह स मजबूत होइ जा, [2]बहुत स
लोगन क साच्छी मँ मोसे तू जउन कछू सुने अहा, ओका
ओन बिसवास करइ जोग्ग मनइयन क सऊँप द्या जउन
दुसरेउ केउ क भी सिच्छा देई मँ समर्थ होइ। [3]जउन
यातना सबइ आवइँ ओनका मिलकर सामना करा।
जातना झेलई मँ मसीह ईसू क एक अच्छा सैनिक क
समान सेवा करत रहा। [4]अइसे सबहिं जउन सैनिक क
समान सेवा करत हीं अपने आप क साधारण जीवन क
जंजाल मँ नाहीं फँसउतेन काहेकि उ अपने सासक
अधिकरियन क खुस करई क बरे कोसिस करत रहत

दिन अरथ अहइ उठइ दिन जब सबहीं मनइयन क
निआव करइ बरे मसीह आइ अउर ओनका अपने संग रहइ
बरे लइ जाइ।

हीं। 5अउर अइसेनइ अगर केउ कीहीउ दउड़इ वाली प्रतियोगितन मँ हींसा लेत ह अउर नियमन क नमानइ, तउ ओका विजय क मुकुट ओह समइ तलक नाहीं मिलत, जब तलक कि उ नियमन क पालन करत करत प्रतियोगितन मँ भाग नाहीं लेत। 6किसान जो मेहनत करत ह इ उपज क सबसे पहिला भाग पावइ क अधिकारी अहइ। 7मइँ जउन बताइत हउँ; ओह प बिचार करा। पर्भू तोहे सब कछू समझइ क छमता प्रदान करी।

8मसीह ईसू क खियाल करत रहा जउन मरे हुअन मँ स फिन स जिन्दा होइ उठा ह अउर जउन दाऊद क बंसज अहइ। इहइ ओह सुसमाचार क सार अहइ जेकर मइँ उपदेस देत हउँ 9इही बरे मइँ जातना झेलत अहउँ। इहाँ तलक कि एक अपराधी क नाईं मोका जंजीरन स जकड़ दीन्ह गवा बा। परन्तु परमेस्सर क बचन तउ बन्धन रहित बा। 10इही कारण परमेस्सर क चुना गवा लोगन क बरे मइँ हर दुख उठावत रहत हउँ ताकि उ पचे भी ईसू मसीह मँ मिलइ वाली महिमामयी अउर अनन्त उद्धार क साथे मिलि सकइँ।

11इ बचन बिसवासे क जोग्ग अहइ कि:

अगर हम ओकरे साथे मरा हई, तउ उही क
साथे जिअब,
12 अगर हम दुख स्वीकार करत अही। त ओकरे
साथे सासन भी करब। अगर हम ओका छोड़
तजबइ, तउ तजि देइ उहउ हमका,
13 हम चाहे बिसवास हीन होइ प उ बिसवासी
हमेसा-हमेसा बिसवास योग्य बना रही काहेकि
नाहीं होइ सकत उ आतिमा निसेधी मिथ्यावादी,
अपनेन ही बरे।

स्वीकृत कार्यकर्ता

14लोगन क इन बातन क धियान देवावत रहा अउर परमेस्सर क साच्छी कइके ओन्हे सावधान करत रहा कि उ सब्दन क लइक लड़ाई झगड़ा न करा। अइसेन लड़ाई झगड़ा स कउनउ लाभ नाहीं होत, बल्कि एनका जे सुनत हीं, उहउ का नस्ट कर देत ह। 15अपने आप क परमेस्सर द्वारा ग्रहण करइ जोग्ग बनाइके एक अइसे सेवक क रूप मँ पेस करइ क यत्न करत रहा जेहसे कउनउ बात क बरे सरमाई क जरूरत न होइ। अउर जउन परमेस्सर क सत्य बचन क सही ढ़ंग स उपयोग करत ह। 16अउर अधार्मिक अउर अर्थहीन बातन स बचा रहत ह काहेकि इ बात लोगन क परमेस्सर स बहुत दूर लइ जात ह। 17अइसेन लोगन क सिच्छा नासूर क तरह फइले। हुमिनयुस अउर फिलेतुस अइसेन ही अहइँ। 18जउन सच्ची सिच्छा स भटकि गवा हयेन। ओनकर कहब बा कि पुनरुत्थान अब तलक होइ चुका बा। इ सबइ कछू लोगन क बिसवास क खराब करत हयेन। 19कछू भी होइ परमेस्सर तउ जेह केतॅना ही मजबूत नींव क डाए अहइ, उ मजबूती क साथे खड़ी बा। ओह प अंकित बा, "पर्भू अपने भक्तन क जानत ह।" * अउर "उ हर एक, जउन कहत ह कि उ पर्भू क अहइ ओका दुस्टता स बचा रहइ चाही।"

20एक बड़ाके घरे मँ बस सोना-चाँदी क ही बर्तन त नाहीं होत हीं, ओहमाँ लकड़ी अउर मिट्टी क बरतन भी होत हीं। कछू विसेस उपयोग क बरे होत हीं अउर कछू साधारण उपयोग क बरे। 21इही बरे अगर आदमी अपने आपके बुराइयन स साफ कइ लेत ह तउ उ विसेस उपयोग क बनी ह। अउर फिन पवित्तर बनिके अपने सुवामी क बरे उपयोगी सिद्ध होई। अउर कउनउ अच्छा कामे क बरे तइयार रही।

22जवानी क बुरी इच्छन स दूर रहा, धार्मिक जीवन, बिसवास, पिरेम अउर सान्ति क बरे ओन्हन सब क साथे जउन सुद्ध मने स पर्भू प बिसवास करत हीं, पुकारत हीं, कोसिस करत रहा। 23मूर्खता स भरा, बेकार क तर्क बितर्क स हमेसा बचा रहा। काहेकि तू जानत ह कि एनसे लड़ाइ-झगड़ा पैदा होत ह। 24अउर पर्भू क सेवक क तउ झगड़इ न चाही। ओका तउ सब प दया करइ चाही ओका सिच्छा देइ मँ जोग्ग होइ चाही। ओका सहनसील होइ चाही।

25ओका अपने विरोधियन क भी विनम्रता क साथे समझइ चाही। और परमेस्सर ओनका हिरदय बदल देइ ताकि ओनका सत्य क गियान होइ जाइ 26अउर उ सचेत होइ क सइतान क ओह फन्दा स बचि निकरइँ जेहमाँ सइतान ओनका जकड़ी रखे बाटइ ताकि उ पचे परमेस्सर क इच्छा क अनुसरण कइ सकइँ।

अन्तिम दिनन

3 याद रखअ अन्तिम दिना मँ हम पे बहुत खराब समइ आइ। 2लोग अपसब्द निकारिहीं, महतारी-बाप क अवहेलना करइवाला, निर्दय, अपवित्तर, 3पिरेम रहित, छमा-हीन, निन्दक, असंयमी, बर्बर, जउन कछू अच्छा बा ओकर विरोधी, 4बिसवासघाती, अविवेकी, अहंकारी अउर परमेस्सर पिरेमी होइ क अपेक्षा सुखवादी होइ जइहीं। 5उ धरम क देखावटी रूप क पालन तउ करिहीं परन्तु ओनके भित्तर सक्ती क नकार देइहीं। ओनसे हमेसा दूर रहा। 6काहेकि एनमे स कछू अइसेन हयेन जउन घरे मँ घुस पइठि कइके पापी, दुर्बल इच्छा सक्ती क पापसे भरा हर तरह क इच्छन स चलायमान स्त्रियन क वस मँ कइ लेत हीं। 7इ सबइ स्त्रियन सीखइ क जतन तउ हमेसा करत रहत हीं, परन्तु सत्य क सभन गियान तलक उ कभउँ नाहीं पहुँच पउतिन। 8यन्नेस अउर यम्ब्रेन्स तउ जइसेन मूसा क विरोध किहे

'पर्भू ... जानत ह' गिनती 16:5

रहेन, वइसेन ही इ लोग सच क विरोधी अहइँ। इ लोगन क बुद्धि भ्रस्ट बा अउर बिसवास क अनुसरण करइ मँ ये असफल हयेन। 9परन्तु ये अउर जियादा आगे नाहीं बढ़ पइहीं काहेकि जइसे यन्नेस अउर यम्ब्रेन्स क मूर्खता परगट होइ गइ वइसे ही एनकइ मूर्खता भी परगट होइ जाई।

अन्तिम आदेस

10परन्तु, कछू भी होइ मोर सिच्छा क पालन किहे अहा। मोर जीवन की राह, मोरे जीवन क उद्देस, मोर अटल बिसवास, मोर सहनसीलता, मोर पिरेम, मोर धीरज 11मोर ओन्हन सबइ यातना अउर सबइ पीड़ा मँ मोर साथ दिहे अहा तू तउ जनबइ करत ह कि अन्ताकिया, इकुनियुम अउर लुस्त्रा मँ मोक केतॅना भयानक यातना दीन्ह गइ रही जेका मइँ सहे रहेउँ। परन्तु पर्भू त ओ सबसे मोर रच्छा किहेस। 12उ समइ परमेस्सर क इच्छा क अनुसार जउन जिअइ चाहत हीं, सतावा ही जइहीं। 13परन्तु पापी अउर ठगन दुसरन क छलत भए अउर खुद छला जात भए खराब स खराब होत चला जइहीं।

14परन्तु तू जउने बातन क सीख्या ह अउर मान्या ह, ओन्हे करत जा। तू जानत ह कि ओह पर बिसवास कइ सकत ह जेनसे इ बातन क तू सीखे रह्या। 15अउर तोहका पता बा कि तू बचपन स ही पवित्तर सास्तरन क भी जानत अहा। उ पचे तोहका ओह विवेक क दइ सकत हीं जेका मसीह ईसू बिसवास क द्वारा छुटकारा मिलि सकत ह। 16हर एक्क पवित्तर सास्तर परमेस्सर क प्रेरणा स रचा गवा बा। उ लोगन क उचित जीवन का संदेस देत ह। उ लोग क सत्य क सिच्छा देइ ओनका सुधारइ ओन्हे ओनकर बुराइयन दर्सावइ अउर पवित्तर तथा सुद्ध जीवन क प्रसिच्छन मँ उपयोगी बा। 17जेका परमेस्सर क हर एक सेवक सास्तरन क प्रयोग करत रहत सब तरह क अच्छा कामन क करइ क बरे समरथ अउर साधन सम्पन्न होइ।

4 परमेस्सर क साछी कइके अउर मसीह ईसू क आपन साछी बना इ क जउन सबहिं जिअत अउर जउन मरि चुका बाटेन, ओनकइ निआउ करइवाला अहइ, अउर काहेकि ओकर फिन स आगमन अउर ओकर राज्य लगे बा, मइँ तोहसे सपथ स हुकुम देत हउँ। 2सुसमाचार क प्रचार लगातार करा। चाहे तू पचन क सुविधा होइ या असुविधा आपन कर्तव्य करत रहा। लोगन क का करइ चही, ओनका समझावा। जबहिं उ पचे बुरा काम करइँ ओनका समझावा लोगन क धीरज दइके समझावत भए ओनका प्रोत्साहित करइ चाही। यह सब धीरज और सावधानी स दी गइ सिच्छा द्वारा करा। 3मइँ इ एह बरे बतावत हउँ कि एक समइ अइसा आई जब लोग अच्छा उपदेस क सुनब तक न चइहीं उ आपन इच्छन क कारण अपने बरे बहुत स गुरु एकठ्ठा कइ लेइहीं, जउन उहइ सुनइहीं जउन उ पचे सुनइ चाहत हीं। 4उ पचे आपन कानन क सत्य स फेर लेइहीं अउर कल्पित सबइ कथा प धियान देइ लगिहीं। 5परन्तु तू निस्चय स सब परिस्थितियन मँ संयमी रह्या, सबइ यातना झेला अउर सुसमाचार क प्रचार क काम करा। जउन सेवा तोहका सऊँपी गइ बा, ओका पूरा करा।

6जहाँ तक मोर बात बा, मइँ तउ अब अर्घ क समान उँड़ेला जाइ पर हउँ। अउर मोर तउ एह जीवन स विदा लेइ क समइ भी आइ पहुँचा अहइ। 7मइँ उत्तम स्पर्धा मँ लगा रहा हउँ। मइँ आपन दउड़-दउड़ चुका हउँ। मइँ बिसवास क रास्ता क रच्छा किहे हउँ। 8अब विजय मुकुट मोर प्रतिच्छा मँ बा। जउन अच्छे जीवन क बरे मिलइ क बा। ओह दिना निआउ कर्ता पर्भू मोका विजय मुकुट पहिराई। न केवल मोका, बल्कि ओन्हन सभन क जउन पिरेम क साथे ओकरे परगट होइ क बाट जोहत रहत हीं।

निजी सनेस

9मोसे जेतॅना जल्दी होइ सकइ, मिलइ आवइ क पूरी जतन करा। 10काहेकि एह जगत क मोह मँ पड़िके देमास तउ मोका तियाग दिहे अहइ अउर उ थिस्सलुनीके चला गवा बा। क्रेसकेंस गलातिया क अउर तीतुस दलमतिया क चला गवा बा।

11केवल लूका ही मोरे लगे बा। मरकुस क लगे जाब अउर जब तू आवा, ओका अपने हाथे लइ आवा काहेकि मोर काम मँ उ मोरे बहुत सहायक होइ सकत ह। 12तुखिकुस को मइ इफिसुस भेजत अहउँ।

13जब तू आवा, तउ ओका कोट के, जेका मइँ त्रोआस मँ करपुस क घरे छोड़ि आइ रहेउँ, लइ आवा। मोर कितबियन, विसेस कर चमड़े क चिटिठन क लइ आवा।

14ताम्रकार सिकन्दर तउ मोका बहुत हानि पहुँचाए अहइ। उ जइसेन किहे अहइ, पर्भू ओकरे करमन क अनुसार ओका वइसेन फल देई, 15तूहऊँ ओसे सचेत रहा काहेकि उ मोर उपदेस क घोर विरोध करत रहा बाटइ।

16सुरू मँ जब मइँ आपन बचाव पेस करइ लागउँ तउ मोर पच्छ मँ कउनो सामने नाहीं आवा। बल्कि ओन्हन तउ मोका अकेलइ छोड़ि दिहे रहेन। परमेस्सर करई ओन्हे एकर हिसाब न देइ पड़इ।

17मोरे पच्छ मँ त पर्भू खड़ा होइके मोका सक्ती दिहेस। ताकि मोरे द्वारा सुसमाचार क भरपूर प्रचार होइ सकइ, जेका सभन गैर यहूदियन सुनि पावइँ। सिंह क मुँह स मोका बचाइ लीन्ह गवा बा। 18कीहींउ पाप क भारी हमला स पर्भू मोका बचाई अउर अपने सरग क राज्य मँ सुरच्छा स लइ जाई। ओकर महिमा हमेसा हमेसा होत रहइ। आमीन।

पत्र क समापन

19प्रिस्का, अक्विला अउर उनेसिफुरुस क परिवार
क नमस्कार कह्या। 20इरास्तुस कुरिन्थुस मँ ठहर गवा
बा। मइँ त्रुफिमुस क ओकरी बीमारी क कारण मीलेतुस
मँ छोड़ दिहे अहउँ।

21जाड़ा स पहिले आवइ क जतन करा। यूबुलुस,
पुदेंस, लिनुस अउर क्लौदिया अउर सभन भाइयन क
तोहे नमस्कार पहुँचइ।

22पर्भू तोहरे साथे रहइ। तू सब प पर्भू क अनुग्रह
होई।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html